अध्याय 2: लेखापरीक्षा कार्यप्रणाली

2.1. एयर इन्डिया की टर्न अराउंड योजना एवं वित्तीय पुनर्गठन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

एआईएल के टीएपी और एफआरपी को सरकार द्वारा अप्रैल 2012 में मंजूरी दी गई थी। कई टर्न अराउंड मार्च 2015 तक पूरे किए जाने थे। महत्वपूर्ण मात्रा में सरकारी इक्विटी को भी कम्पनी में शामिल किया गया था। यह इस संदर्भ में था कि एआईएल की टर्न अराउंड योजना और कम्पनी की वित्तीय स्थिति पर इसके प्रभाव की निष्पादन लेखापरीक्षा की गई। निष्पादन लेखापरीक्षा एआईएल, नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) तथा महानिदेशक, नागर विमानन (डीजीसीए) द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों और अभिलेखों के आधार पर की गई थी।

2.2 लेखापरीक्षा उद्देश्य

लेखापरीक्षा उद्देश्यों में यह जांच शामिल थी कि क्या

- एयर इंडिया लिमिटेड का वित्तीय पुनर्गठन, वित्तीय पुनर्गठन योजना के अनुसार लागू किया गया था और क्या इससे वांछित लक्ष्य की प्राप्ति हुई।
- कम्पनी द्वारा द्विपक्षीय हकदारियों का प्रभावी रूप से उपयोग किया गया था और विभिन्न हवाई अड्डों में एआईएल को उपलब्ध स्लॉट का प्रभावी प्रबंधन किया गया था।
- कम्पनी की गतिविधियां टर्न अराउंड योजना के अनुसार की गई थी और इसके संचालन में टर्न अराउंड करने के लिए उपयुक्त थी।
- कम्पनी के पुनर्गठन प्रयासों (वित्तीय एवं संचालन) की, प्रभावी रूप से निगरानी की गई थी।

2.3 लेखापरीक्षा मानदण्ड

मानदण्ड जिसके आधार पर टीएपी/एफआरपी पर निष्पादन का मूल्यांकन किया गया, उसमें निम्नलिखित प्रावधान शामिल थे:-

- सरकार के अनुमोदन के अनुसार एयर इंडिया लिमिटेड का टर्न अराउंड योजना और वित्तीय पुनर्गठन योजना

- अधिकारियों के समूह, मंत्रियों के समूह और सरकार द्वारा गठित निगरानी समिति की सिफारिशें
- कम्पनी के आंतरिक दिशा-निर्देश और नियमावली
- नागर विमानन मंत्रालय, नागर विमानन महानिदेशक के निर्देश और
- एआईएल के निदेशक मण्डल के निर्णय।

2.4 लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र

लेखापरीक्षा के कार्यक्षेत्र में इसकी टर्न अराउंड योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2010-11 से 2015-16 की अवधि के दौरान एआईएल के संचालन और वित्तीय प्रबंधन का मूल्यांकन शामिल था। विशेषकर लेखापरीक्षा में बेड़े को शामिल करने, तैनाती और उसके संचालन, नेटवर्क प्लानिंग, मार्ग प्रबंधन, द्विपक्षीय अधिकारों का प्रबंधन, स्लॉट प्रबंधन, परिसंपत्ति मुद्रीकरण, एमआरओ और जीएच गतिविधियों का हस्तांतरण, मानव संसाधन प्रबंधन, कम्पनी के आईटी प्लेटफॉर्म का एकीकरण तथा इस अवधि के दौरान कम्पनी द्वारा प्राप्त परिणामी संचालनात्मक दक्षता का मूल्यांकन किया गया।

2.5 लेखापरीक्षा कार्यप्रणाली

06 मई 2015 को एक प्रवेश सम्मेलन आयोजित की गई जिसमें प्रबंधन के साथ लेखापरीक्षा उद्देश्यों, कार्यक्षेत्र और कार्यप्रणाली पर चर्चा की गई थी।

मई 2015 से नवम्बर 2015 तक क्षेत्रीय लेखापरीक्षा की गई थी। इसमें सूचना संग्रहण, एआईएल के बोर्ड बैठको का एजेंडा और कार्यवृत्त की समीक्षा सहित अभिलेखों का सत्यापन शामिल था। प्रबंधन को 27 नवम्बर 2015 को प्रारुप लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की गई थी और इसके उत्तर फरवरी 2016 के दौरान प्राप्त हुए थे। प्रबंधन के उत्तरों की जांच के पश्चात एमओसीए को 27 जून 2016 को लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की गई थी। एमओसीए के उत्तर 30 अगस्त 2016, 02 सितम्बर 2016 तथा 06 सितम्बर 2016 को प्राप्त हुए थे।

रिपोर्ट की लेखापरीक्षा निष्कर्षों और सिफारिशों पर चर्चा करने के लिए 26 अक्टूबर 2016 को एमओसीए और एआईएल प्रबंधन के साथ एक निर्गम सम्मेलन किया गया। इस बैठक के दौरान एमओसीए और एआईएल द्वारा व्यक्त विचारों को उपयुक्त रूप से इस रिपोर्ट में शामिल किया गया है।

लेखापरीक्षा ने एआईएल के संचालन और वित्तीय कार्यकलाप की जांच करने का प्रयास किया हैं जिसका इसकी टर्न अराउंड योजना पर प्रभाव होगा। यह स्पष्ट है कि एयरलाइन के टर्न अराउंड हेतु प्रबंधन को अपने प्रयासों में लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

AIR INDIA